TransUnion CIBIL

एमएसएमई पल्स

अगस्त 2022

sidbi

श्री सिवसुब्रमणियन रमण

अध्यक्ष एवं प्रबंधनिदेशक,सिडबी

एमएसएमई पल्स के इस संस्करण से ऋण मांग और आपूर्ति पर अंतर्दृष्टि यह सत्यापित करती है कि ईसीएलजीएस के माध्यम से समय पर नकदी डालने से एमएसएमई क्षेत्र पुनरुत्थान की दिशा में मजबूत हुआ है। उधारदाता ओं ने ईसीएलजीएस को सफलतापूर्वक निष्पादित किया है और सभी एमएसएमई खंडों को समय पर सहायता प्रदान की है। इस निवेश से एमएसएमई तेजी से व्यवसाय वृद्धि को आगे बढ़ा सकते हैं।

श्री राजेश कुमार

प्रबंधनिदेशक एवं मुख्य कार्यकारी
ट्रांसयूनियन सिबिल लिमिटेड

सभी खंडों में एमएसएमई ऋण मांग में वृद्धि आर्थिक पुनरुत्थान के लिए अच्छा संकेत है। इस मांग को चतुराई से पूरा करके, उधारदाता वित्तीय समावेशन के साथ-साथ जीडीपी वृद्धि में योगदान करते हुए अपने संविभाग को बढ़ा सकते हैं। एमएसएमई इकाइयों के लंबकोणीय दृश्य बनाने के लिए सूचना के कई स्रोतों के त्वरित और अधिक निर्बाध त्रिकोणीकरण की सुविधा प्रदान करके पुनरुत्थान को और मजबूत किया जा सकता है। सुदृढ़ सूचना अवसंरचना जो एमएसएमई इकाइयों को समृद्ध दृष्टिकोण प्रदान करती है, भारत के एमएसएमई क्षेत्र के सतत और दीर्घकालिक विकास को बड़े पैमाने पर ले जाने के लिए आवश्यक आधार का निर्माण कर सकती है।

विश्लेषण संपर्क

ट्रांसयूनियन सिबिल

अभय केलकर
abhay.Kelkar@transunion.com

विपुल महाजन
vipul.mahajan@transunion.com

कार्तिक सुंदरम
karthik.sundaram@transunion.com

अचिन सहरावत
achin.Saharawat@transunion.com

सिडबी

संजय जैन
erdav@sidbi.in

गिनसुङ्गमंग हैंजो
erdav@sidbi.in

वंदिता श्रीवास्तव
vanditas@sidbi.in

CONTENTS

कार्यपालक सारांश	4
ऋण मांग	5
ऋण आपूर्ति	6
ऋण वृद्धि एवं कार्यनिष्पादन	14
कोविड 19 के कारण पुनर्संरचित ऋणों पर विश्लेषण	18

EXECUTIVE SUMMARY

आर्थिक वृद्धि में तेजी लाने के लिए एमएसएमई के ऋण प्रवाह में सुधार करना आवश्यक है। कोविड महामारी और उसके बाद रोकथाम के उपायों ने एमएसएमई इकाइयों को सबसे अधिक प्रभावित किया है । सरकार और नियामक के हस्तक्षेप ने एमएसएमई को काफी हद तक इन चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाया है। हालांकि लचीले एमएसएमई उधारकर्ताओं को समय पर ऋण प्रदान करके ही एक सतत विकास प्राप्त किया जा सकता है, ताकि उधारदाताओं के संविभाग को भी संरक्षित किया जा सके । एमएसएमई पल्स का यह संस्करण मांग और आपूर्ति में नवीनतम रुझानों का विश्लेषण करता है, ऋण वृद्धि और ऋण निष्पादन पर प्रभाव का मूल्यांकन करता है, और ऋण पुनर्गठन पर अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

ऋण मांग, आपूर्ति और ऋण वृद्धि

एमएसएमई ऋणों की मांग (वाणिज्यिक ऋण पूछताछ की संख्या के रूप में मापा जाता है) पिछले एक साल में बढ़ी है और पूर्व-महामारी के स्तर से 1.6 गुना तक बढ़ गई है। महामारी की दूसरी लहर के बाद व्यापक आर्थिक गतिविधियों में सुधार को इसका श्रेय दिया जा सकता है। इसके अलावा, ईसीएलजीएस योजना के विस्तार, समृद्ध ऋण डेटा की उपलब्धता और अधिक रूप में डिजिटल रूप से ऋण देना अपनाने से अधिक एमएसएमई को ऋण प्राप्त करने में सक्षम बनाया गया है। एमएसएमई ऋण संवितरण सभी खंडों में पूर्व-महामारी की तुलना में दोगुना हो गया है, यह दर्शाता है कि उधारदाता बढ़ती ऋण मांग का समर्थन करने की स्थिति में हैं।

संविभाग प्रदर्शन और ऋण की पुनरसंरचना

मार्च 22 (वित्त वर्ष 22-4 की चौथी तिमाही) तक कुल एमएसएमई क्रेडिट एक्सपोजर 23.12 लाख करोड़ रुपये है, जो 6.3% की वार्षिक वृद्धि दर को दर्शाता है। कुल सक्रिय एमएसएमई उधारकर्ता मार्च 2022 तक 6% की वार्षिक वृद्धि दर के साथ ~ 7 मिलियन हैं। कुल मिलाकर एमएसएमई उधारकर्ताओं में वृद्धि शुरू हुई है क्योंकि उधारदाता मौजूदा उधारकर्ताओं को ऋण देने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

मार्च 2022-22 की चौथी तिमाही में कुल एमएसएमई गैर निष्पादक आस्ति 12.8% है। एमएसएमई खंड में गैर निष्पादक आस्ति मार्च 2021-21 की चौथी तिमाही से बढ़ा है। वित्त वर्ष 2020-3 तक अत्यंत सूक्ष्म खंड में सूक्ष्म खंड की तुलना में कम गैर निष्पादक आस्ति दर था। हालांकि, यह प्रवृत्ति अब यह दर्शाती है कि कोविड ने अत्यंत सूक्ष्म खंड को सबसे अधिक प्रभावित किया है।

मार्च 2022 तक, 2.7 लाख एमएसएमई खातों के 0.35 लाख करोड़ रुपये की बकाया राशि का पुनर्संरचित किया गया है। यह मार्च 22 तक कुल सक्रिय खातों का लगभग 2.3% और एमएसएमई बकाया राशि का 1.5% है। सीएमआर (सिबिल एमएसएमई रैंक) के साथ पुनर्संरचित एमएसएमई ऋण रैंक ऑर्डर का अनुपात यानी पुनर्संरचित ऋणों का उच्चतम अनुपात उच्च जोखिम (सीएमआर -7 से सीएमआर -10) खंड से संबंधित है, इसके बाद मध्यम जोखिम (सीएमआर -4 से सीएमआर -6) और कम जोखिम में सबसे कम हिस्सेदारी (सीएमआर -1 से सीएमआर -3) की है । यह एमएसएमई का समर्थन करने के लिए एक विवेकपूर्ण दृष्टिकोण को दर्शाता है जो सबसे कमजोर हैं और उसके ऋण को पुनर्संरचित करने की सबसे अधिक आवश्यकता है।.

ऋण मांग

वाणिज्यिक ऋण पूछताछ की अनुक्रमित मात्रा में प्रवृति से पता चलता है कि दूसरी लहर के बाद वाणिज्यिक उधार के लिए ऋण मांग में प्रगति रही है। वर्तमान ऋण मांग कोविड-पूर्व चरण की तुलना में लगभग 1.6 गुना है। आर्थिक और व्यावसायिक गतिविधियों में सुधार के कारण पिछले एक साल में वाणिज्यिक ऋण पूछताछ में तेजी आई है।

अनुक्रमित वाणिज्यिक ऋण पूछताछ की मात्रा

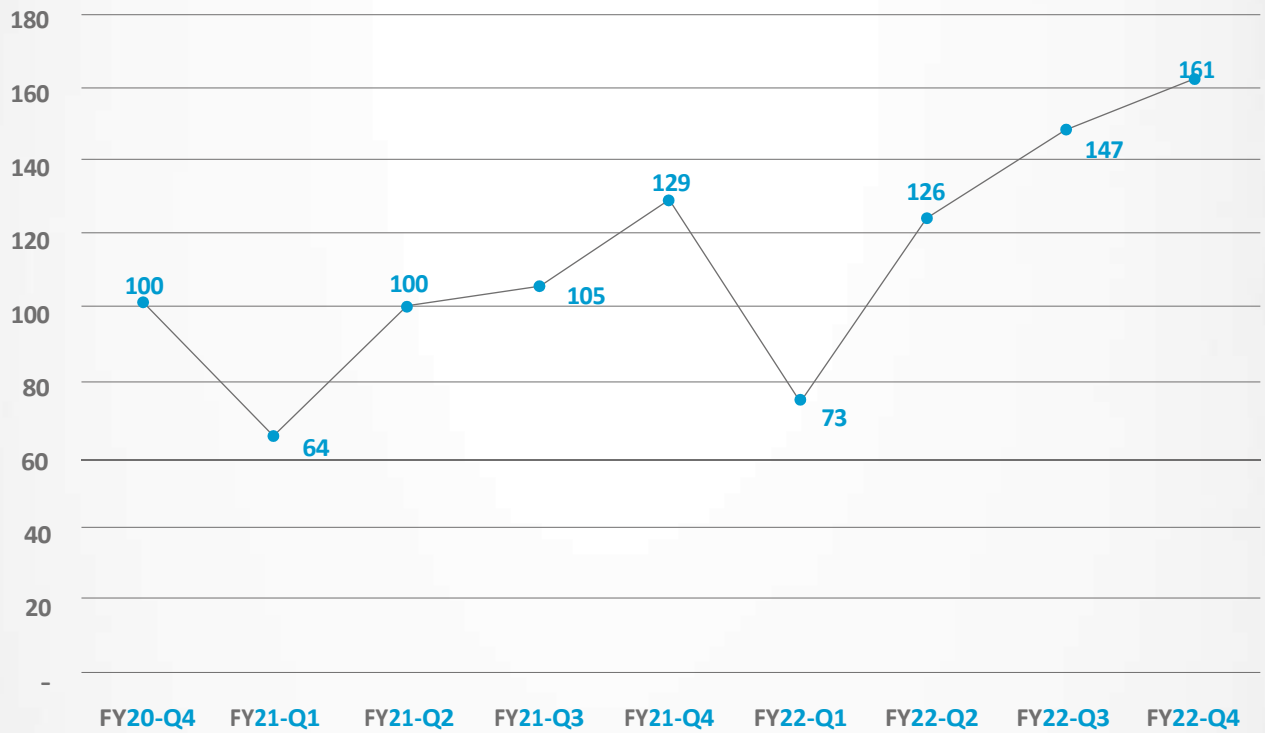

विभिन्न उधारदाताओं से ऋण मांग

सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और निजी बैंकों के लिए ऋण की मांग क्रमशः कोविड-पूर्व चरण का 1.6 गुना और 1.7 गुना है। वित्त वर्ष 2022 की पहली तिमाही में कोविड की दूसरी लहर के बाद एनबीएफसी वसूली की राह पर दिख रही हैं। ईसीएलजी योजना, समृद्ध ऋण डेटा की उपलब्धता और डिजिटल उधार को अधिक रूप से अपनाने से ऋण मांग में निरंतर वृद्धि हुई है।

विभिन्न उधारदाताओं द्वारा सूचीबद्ध वाणिज्यिक ऋण

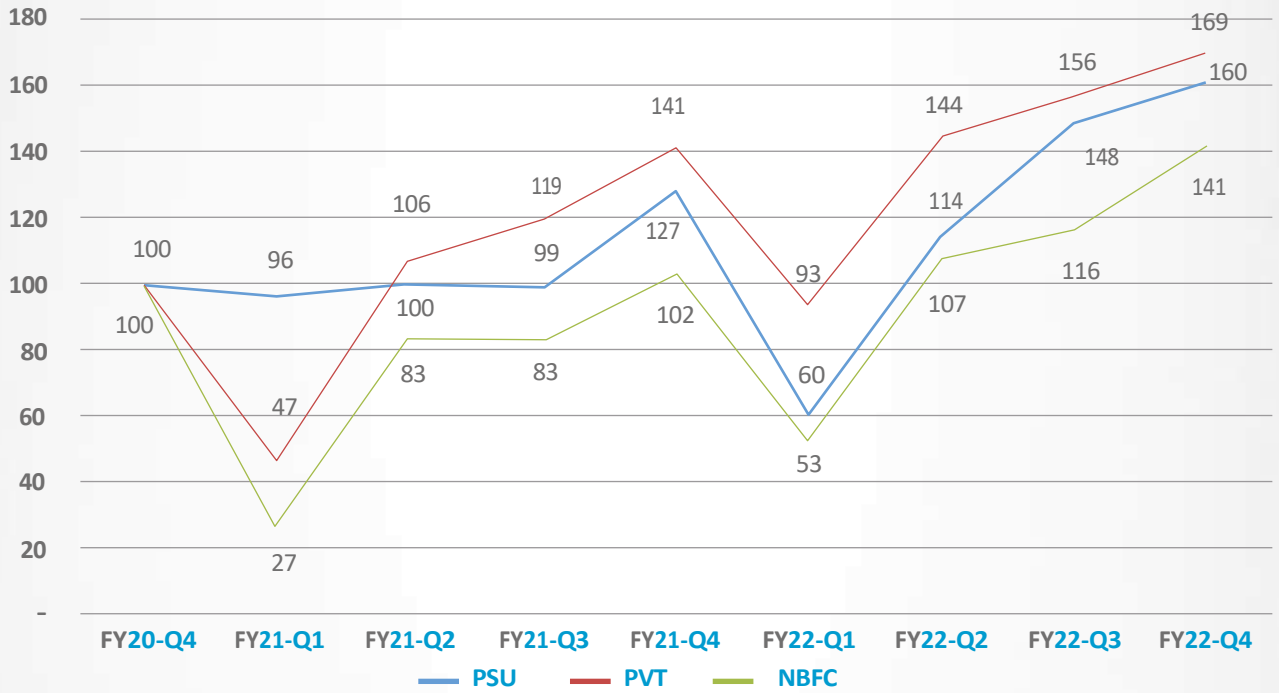

ऋण आपूर्ति

वित्त वर्ष 2022 की चौथी तिमाही में एमएसएमई में कुल संवितरण वर्ष -दर वर्ष आधार पर ~ 43% बढ़ा है। कोविड-पूर्व चरण (वित्त वर्ष 2020-चौथी तिमाही) की तुलना में, वित्त वर्ष 2022-चौथी तिमाही में तीनों खंडों के लिए एमएसएमई का संवितरण लगभग दोगुना हो गया है। वित्त वर्ष 2021 में कुल संवितरण 8 लाख करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2022 में 10.6 लाख करोड़ रुपये का हुआ है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम खंड में संवितरण वित्त वर्ष 2021 की तुलना में वित्त वर्ष 2022 में वर्ष -दर वर्ष आधार पर क्रमशः 19%, 33% और 38% बढ़ा है ।

MSME Disbursement Amounts (In < Thousand Crore)

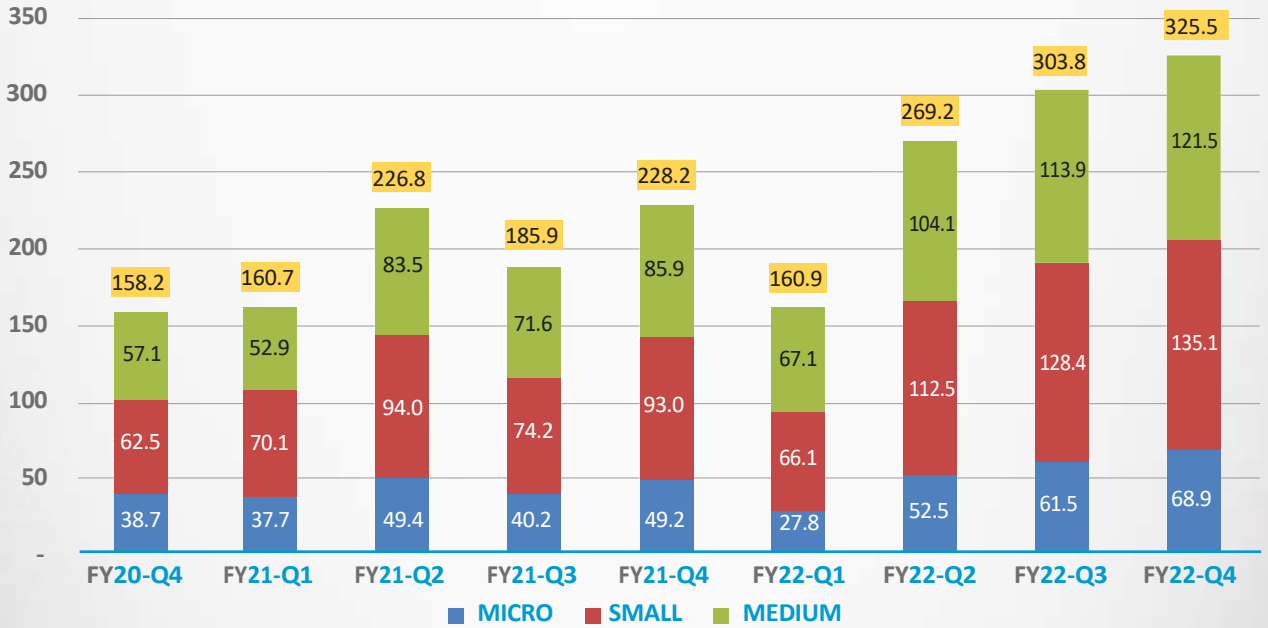

PSU और PVT बैंकों द्वारा संवितरण में YoY में 5% और 14% की वृद्धि हुई है, जबकि NBFC के लिए FY22-Q4 में YoY में -16% की गिरावट आई है। कुल संवितरण में निजी बैंकों की बाजार हिस्सेदारी सभी क्षेत्रों में बढ़ी है।

सभी उधारकर्ता स्वरूपों में उधारदाताओं द्वारा मूल राशि बकाया का अनुपात

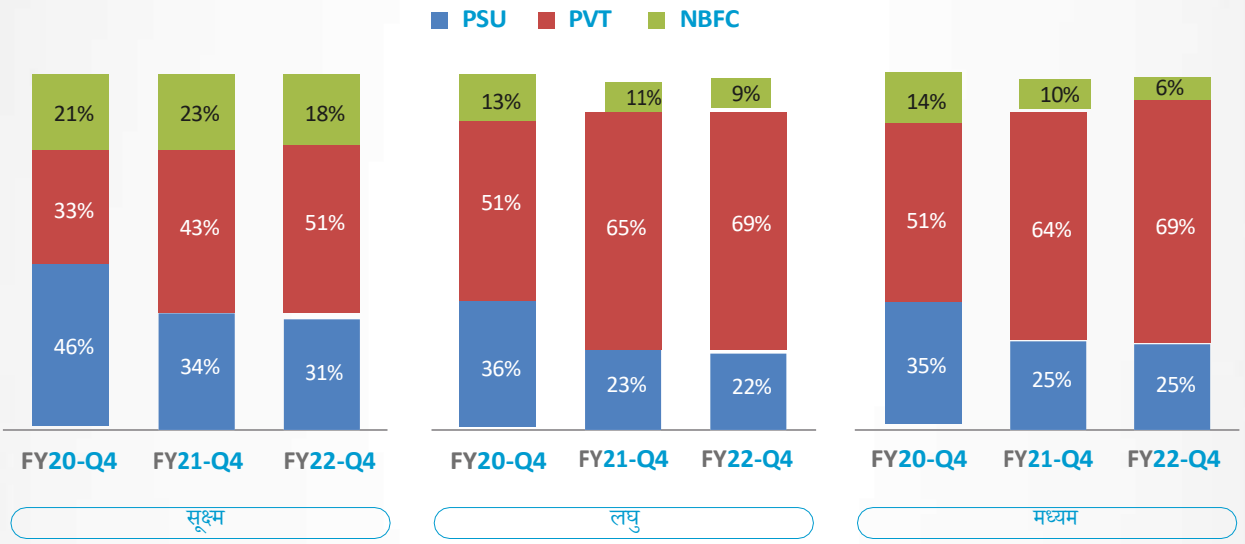

एमएसएमई खंड द्वारा औसत ऋण आकार

पिछले एक साल में सभी खंडों में औसत ऋण आकार में सुधार हुआ है। इसका श्रेय ऋण की अधिक आवश्यकता, उच्च निश्चित दायित्वों का समर्थन करने के लिए ब्याज दरों में गिरावट और विशेष रूप से लघु और मध्यम खंडों में निजी बैंकों की जोखिम उठाने की क्षमता में वृद्धि को दिया जा सकता है।

एमएसएमई खंड द्वारा औसत ऋण आकार (लाख में)

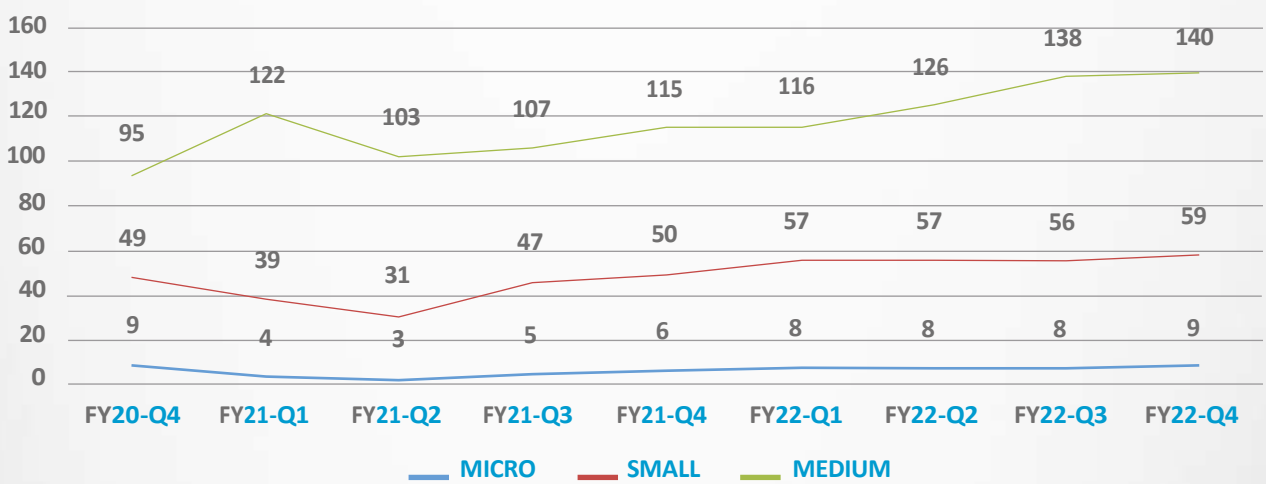

विभिन्न उधारदाताओं के औसत ऋण का आकार

कोविड के बाद निजी बैंकों के लिए औसत ऋण का आकार बढ़ा दिया गया है, जबकि निजी क्षेत्र के उद्यम, बैंक और एनबीएफसी कोविड-पूर्व चरण के समान ही हैं।

विभिन्न उधारदाता द्वारा औसत ऋण का आकार (लाख में)

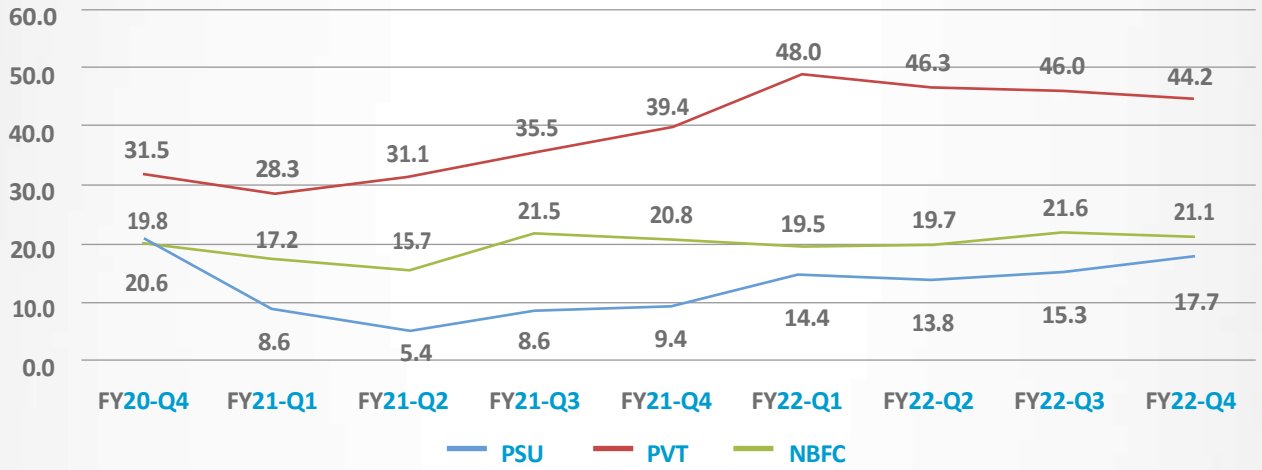

सीएमआर के आधार पर एमएसएमई के मूल ऋणों का वितरण

सूक्ष्म उद्यमों के लिए उच्च जोखिम स्तरों (सीएमआर 7-10) के मूल ऋण उत्पत्ति का हिस्सा बढ़ गया है।

सीएमआर द्वारा व्यापार का आनुपातिक हिस्सा - उद्योग दृष्टिकोण

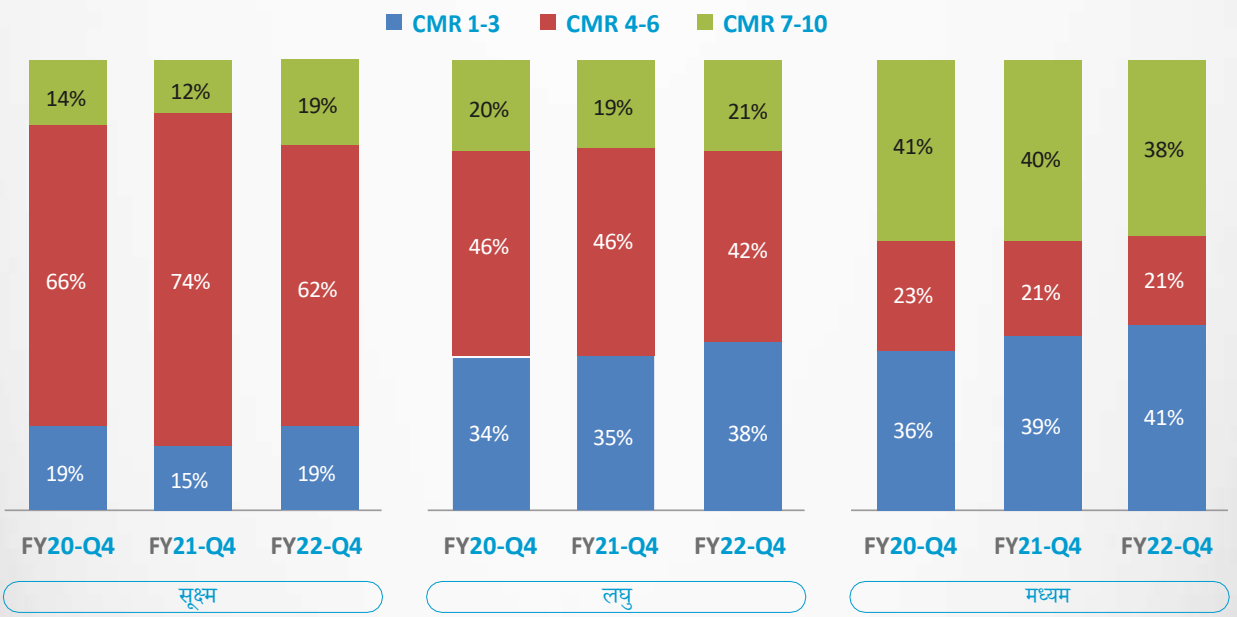

सभी उधारदाता श्रेणियों में जोखिम उठाने की क्षमता में वृद्धि प्रतीत होती है। वित्त वर्ष 20-वित्त वर्ष 22 के बीच निजी क्षेत्र के उद्यमों, निजी (क्षेत्रों) और एनबीएफसीयों के लिए उच्च जोखिम वाले टियर से मूल ऋण उत्पत्ति का हिस्सा क्रमशः 2%, 3% और 4% बढ़ा है।

सीएमआर द्वारा व्यापार का आनुपातिक हिस्सा ऋणदाता दृश्य

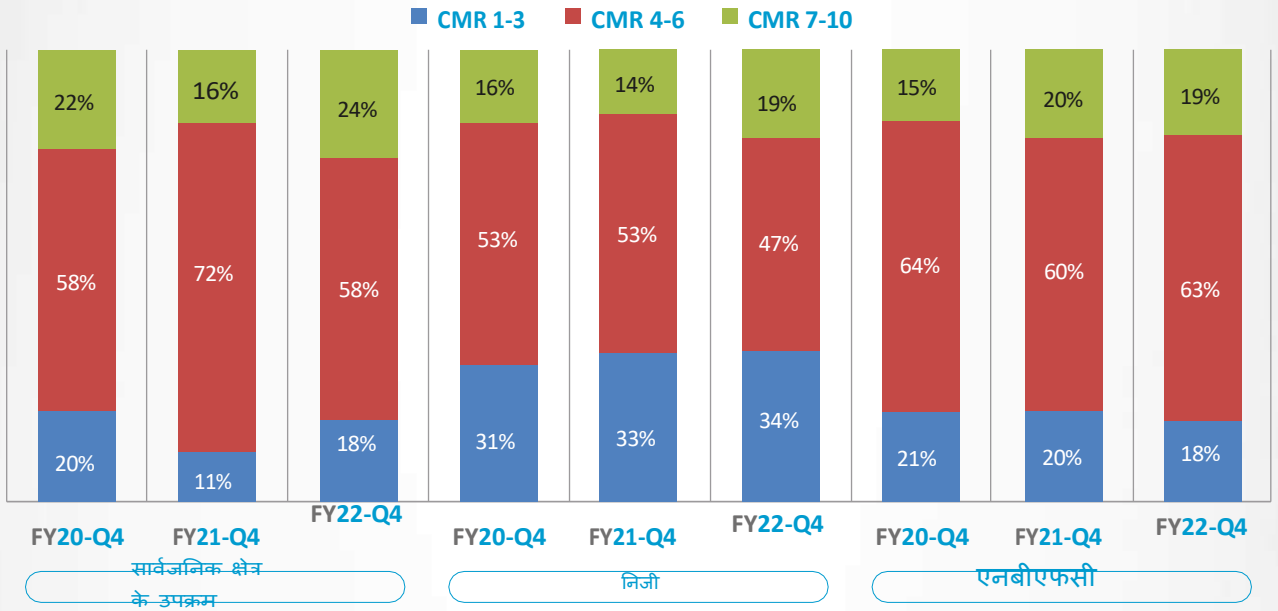

अनुमोदन दर

उधारदाताओं की जोखिम उठाने की क्षमता को समझने के लिए हमने मध्यम जोखिम वर्ग के अनुमोदन दरों की परीक्षा की । निजी क्षेत्रों के बैंकों के लिए पिछले एक वर्ष में अनुमोदन दर काफी हद तक अपरिवर्तित रहें हैं। निजी क्षेत्रों के बैंकों और एनबीएफसीयों के लिए अनुमोदन दरों में गिरावट इस बात के संकेत है कि, ग्राहक चयन मानदंडों में कसावट आई है।

विभिन्न ऋणदाताओं में सर्वत्र मध्यम जोखिम टियर अनुमोदन दर

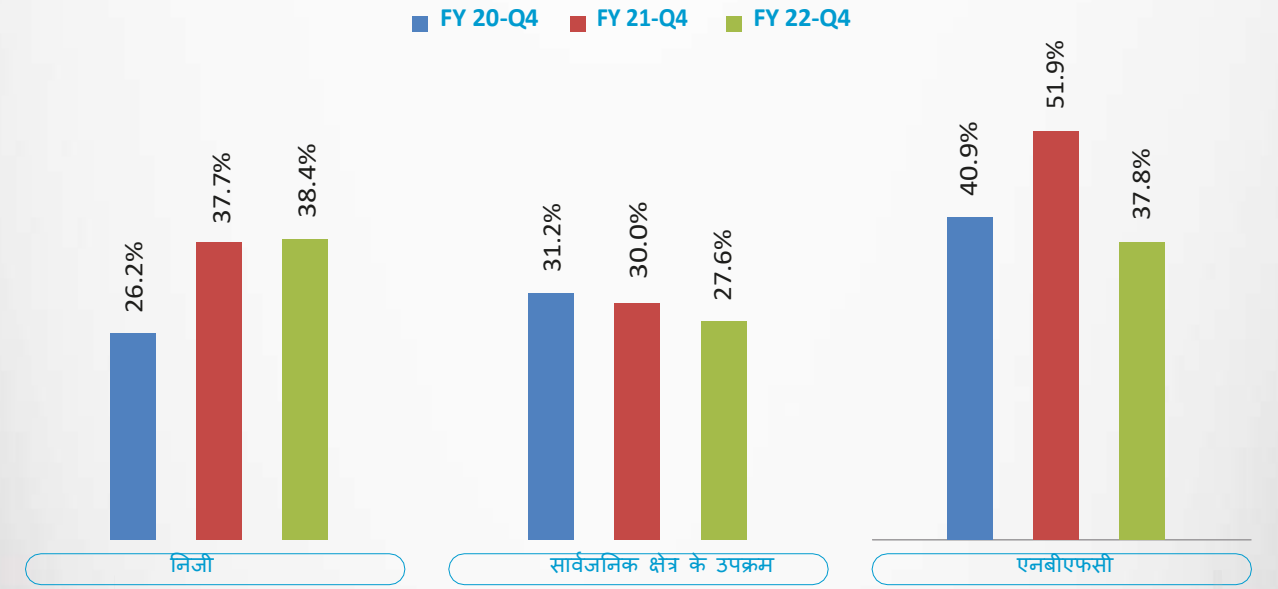

*Medium Risk Tier: RANK 4, 5, 6

अधिग्रहण किए गए क्रेडिट की विशेषताएं

विव '22 में 55% नई ऋण उत्पत्ति (नवीकरण और जीईसीएल ऋणों को छोड़कर) मध्यम जोखिम श्रेणी (सीएमआर -4 से सीएमआर -6) में हैं और 24% नई ऋण उत्पत्ति कम जोखिम श्रेणी (सीएमआर -1 से सीएमआर -3) में हैं। इसकी तुलना महामारी पूर्व (विव '20) से करें तो - 27% नए मूल ऋण कम जोखिम (सीएमआर -1 से सीएमआर -3) में थे और 55% मध्यम जोखिम (सीएमआर -4 से सीएमआर -6) में थे।

नई उत्पत्ति सीएमआर वितरण (नवीकरण और जीईसीएल को छोड़कर)

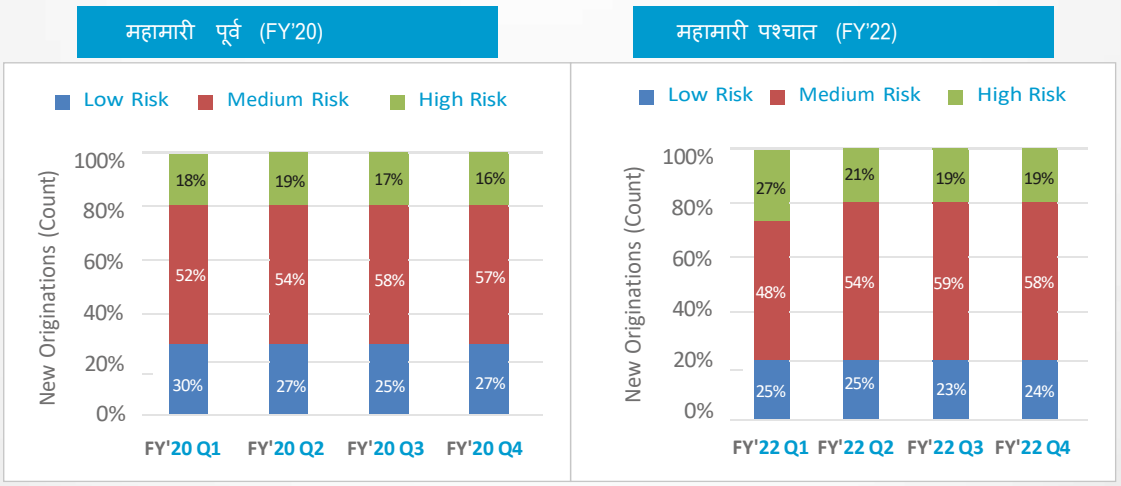

भले ही मध्यम जोखिम (सीएमआर -4 से सीएमआर-6) खंड में उत्पत्ति का प्रतिशत वर्षों से समान है, इन ऋण उत्पत्तियों के क्रेडिट विशेषताओं पर निकट से दृष्टि डालने से सीसी/ओडी के उपयोग भुगतान प्रवृत्तियां और अधिशेष व्यवहार जैसी प्रमुख विशेषताओं के संदर्भ में कई तरह की अंतर्दृष्टि का पता चलता है। इन विशेषताओं का विश्लेषण करने के लिए, हम क्रेडिटविजन ® एल्गोरिदम का उपयोग करते हैं, जिससे उधारकर्ता के क्रेडिट इतिहास में अतिरिक्त प्रवृतिपरक आंकड़े की अंतर्दृष्टि सुगम करते हैं

परिक्रामी क्रेडिट का उपयोग (नकद क्रेडिट और ओवरड्राफ्ट सुविधाएं)

नकद क्रेडिट और ओवरड्राफ्ट सुविधाओं के उपयोग से एमएसएमई की कार्यशील पूंजी प्रबंध कार्यनीतियों संबंधी अंतर्दृष्टि सुगम होती है। क्रेडिटविज़न® उपयोगिता एल्गोरिथम एक प्रवृतिपरक एल्गोरिथम है जो किसी मौसमी प्रभाव को दूर करने के लिए 12 महीने की अवधि के औसत सीसी/ओडी उपयोग की परीक्षा करता है। उपयोग की तीन अलग-अलग श्रेणियों की पहचान की गई है - 78% से अधिक के उपयोग को उच्च उपयोग के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

महामारी पूर्व(वि व '20) की तुलना में महामारी के बाद (वि व '22) में उत्पन्न एमएसएमई ऋण उत्पत्तियों के औसत उपयोग स्तरों की तुलना करने से पता चलता है कि महामारी से पहले की उत्पत्ति की तुलना में सीएमआर 4-6 में महामारी के बाद नई उत्पत्ति में उपयोग के स्तर में वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2022 में नए ऋण उत्पत्ति वाले 60% एमएसएमई वित्त वर्ष 2020 में 50% की तुलना में उच्च उपयोग स्तरों (78% से अधिक का उपयोग) पर थे। किसी भी क्षणिक परिवर्तन की स्थिति (कोविड वेव 2 – वि व '22 ति1) के दौरान नए ऋणों की उत्पत्ति वाले उच्च उपयोग एमएसएमई में भी वृद्धि हुई थी।

नई सीएमआर -4 से सीएमआर -6 के नए ऋण उत्पत्ति का औसत उपयोग (नवीकरण और जीईसीएल को छोड़कर)

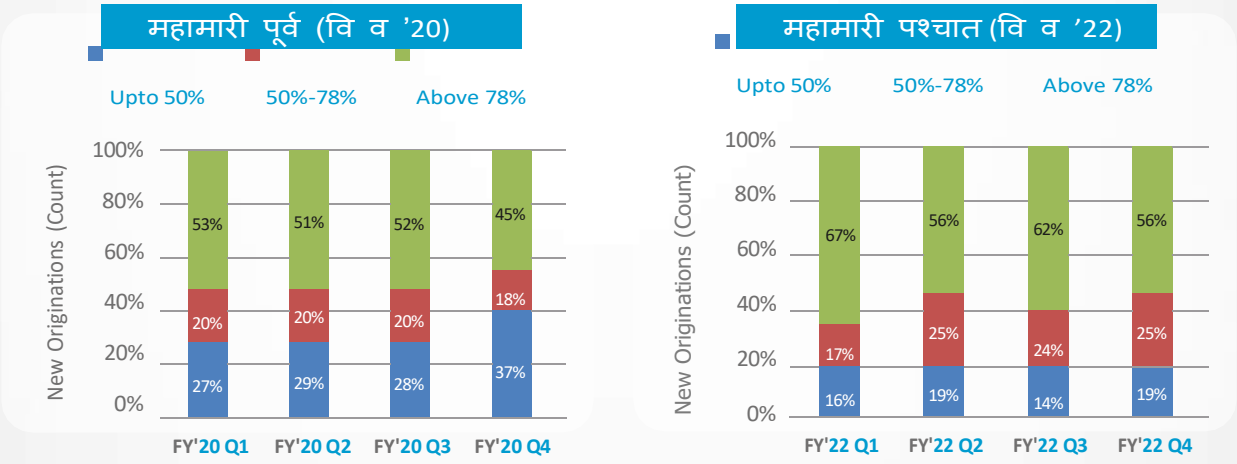

यद्यपि, वि व '22 में संरचनात्मक रूप से सुदृढ़ एमएसएमईयों (सीएमआर -1 से सीएमआर -3) के नए उत्पत्ति ऋणों के औसत उपयोग स्तरों की तुलना वि व '20 से करने पर पता चलता है कि इन एमएसएमईयों के उपयोग का स्तर वास्तव में नीचे चला गया है, अर्थात उच्चतर उपयोगिता श्रेणी में एमएसएमई की संख्या वि व 20 से वि व 22 में कम थी । इसलिए जब सीएमआर - एक प्रवृतिपरक क्रेडिटविजन ® एल्गोरिथम को जब सीएम आर के साथ उपयोग किया जाता है, तब उधारकर्ता के क्रेडिट में समृद्ध अंतर्दृष्टि सुगम करता है।

नए सीएमआर-1 से सीएमआर-3 के ऋण उत्पत्ति का औसत उपयोग (नवीकरण और जीईसीएल को छोड़कर)

महामारी पूर्व (वि व '20)

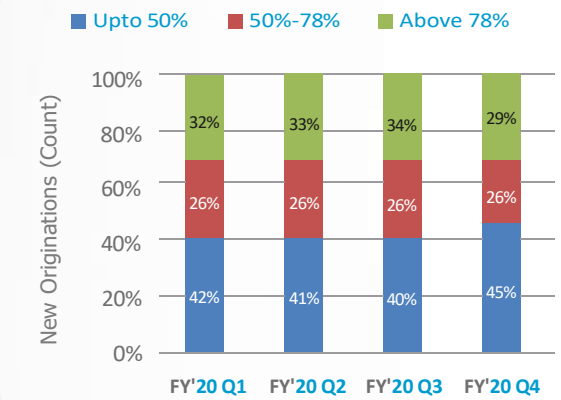

महामारी पश्चात (वि व '22)

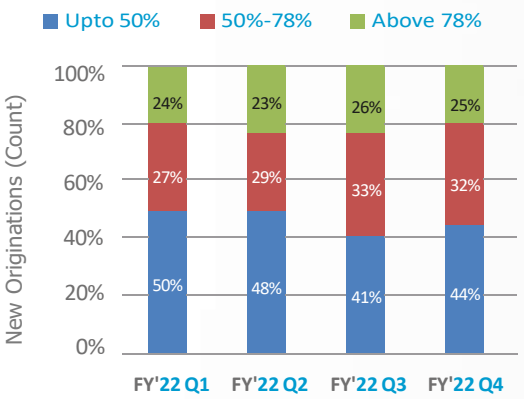

छूटे हुए भुगतान

प्रवृतिपरक क्रेडिटविज़न® एल्गोरिथम छूटे हुए भुगतान अपेक्षित भुगतानों में से छूटे हुए भुगतानों की संख्या की गणना करता है, अर्थात पिछले 12 महीनों में देय भुगतानों की संख्या। उदाहरण के लिए, यदि 24 भुगतान किए जाने थे और 4 चूक गए हुए तो छूटे हुए भुगतान का अनुपात = 4/24 = 16.67% रहे । यह उधारदाताओं को छूटे हुए भुगतान वाली संस्थाओं को देय छूटे हुए भुगतान में नियमित रहने वाली संस्थाओं से अलग करने की सक्षमता सुगम करता है । सीएमआर -4 से सीएमआर -6 के तहत के उधारकर्ताओं के ऋण उत्पत्ति से पहले के छूटे हुए भुगतानों के प्रति महामारी के बाद (वित्त वर्ष 22) की तुलना, महामारी पूर्व- (वित्त वर्ष 20) से करने पर पता चलता है कि मध्यम जोखिम वाले ग्राहकों में छूटे हुए भुगतान की प्रवृत्ति में वृद्धि हुई है। और स्पष्ट भुगतान वाली एमएसएमईयों का ट्रैक रिकॉर्ड घटा है।

नए सीएमआर -4 से सीएमआर -6 के तहत ऋण उत्पत्ति (नवीकरण और जीईसीएल को छोड़कर) वाले छूटे हुए भुगतान का अनुपात

महामारी पूर्व (वि व'20)

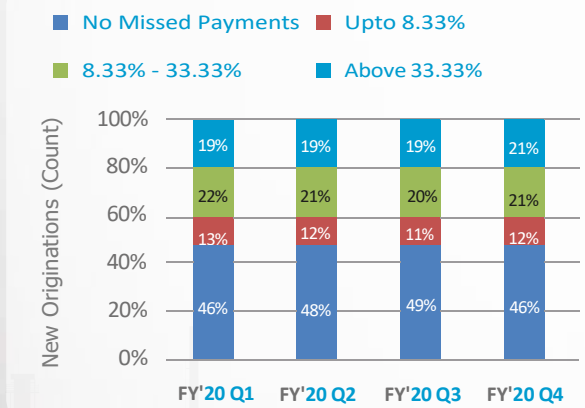

महामारी पश्चात (वि व '22

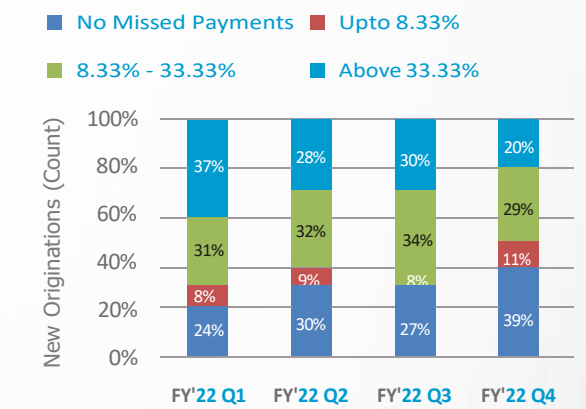

हाल के अपचार के बाद के महीने (30+)

हालिया अपचार के बाद के महीने' के प्रवृत्तिपरक क्रेडिटविज़न® एल्गोरिथम उधारदाताओं द्वारा देखे गए अपचार की नवीनता का पता लगाने में सक्षम करता है। यह एक प्रवृत्तिपरक एल्गोरिथम है जो 36 महीने के इतिहास की परीक्षा करता है, जो देखे गए 30+ डीपीडी के अंतिम उदाहरणों की पहचान करता है और अपचार की नवीनता के आधार पर, ऋणदाता यह पहचान कर सकते हैं कि यह एक बिगड़ता हुआ ऋण संविभाग है या ठीक होता हुआ ऋण संविभाग है।

सीएमआर -4 से सीएमआर -6 वाले उधारकर्ताओं के ऋण उत्पत्ति के पहले से महामारी के बाद (वित्त वर्ष 22) और महामारी के पूर्व- (वित्त वर्ष 20) पिछले अपचार के महीनों की तुलना करने पर विव '20 की ऋण उत्पत्ति में 12 महीने से अधिक 30+ डीपीडी वाले 3% एमएसएमईयों की तुलना में विव '22 में 12 महीनों से अधिक (महामारी की लहर 1 अवधि के दौरान) 30+ डीपीडी वाले 7% एमएसएमई द्वारा पाए गए अपचारों के संबंध में महामारी के प्रभाव को दर्शाता है। यह प्रवृत्तिपरक एल्गोरिथम वित्तीय वर्ष'20 की ऋण उत्पत्ति की तुलना में 'वित्त वर्ष'22 के लिए 'पिछले 12 महीनों में 30+ डीपीडी के बाद से महीनों' की घटी हुई घटनाओं के साक्ष्य के रूप में महामारी के बाद उधारकर्ताओं की बहाली को भी दर्शाता है।

नए सीएमआर -4 से सीएमआर -6 वाली ऋण उत्पत्ति (नवीनीकरण और जीईसीएल को छोड़कर) के सबसे हालिया अपचार (30+डीपीडी) के बाद के महीने

महामारी पूर्व (FY'20)

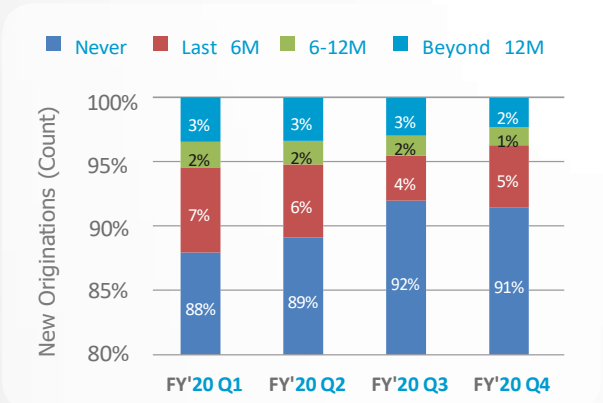

महामारी पश्चात (FY'22)

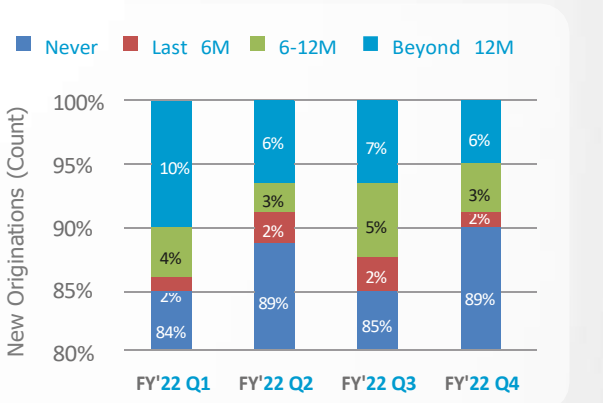

सिबिल एमएसएमई रैंक और प्रवृत्तिपरक क्रेडिटविजन ® एल्गोरिदम का एक संयोजन उधारदाताओं को मध्यम जोखिम (सीएमआर 4-6) खंड के भीतर जोखिम वाले संविभाग की पहचान करने में सक्षम बनाता है और तदनुसार उनका मूल्य निर्धारण करता है। क्रेडिटविज़न® रोलआउट के हिस्से के रूप में, पूर्व-गणना एल्गोरिदम सिबिल क्रेडिट रिपोर्ट (सीआईआर) में उपलब्ध हैं जो ऋणदाताओं को अतिरिक्त प्रवृत्तिपरक अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकते हैं और जिसके अनुसार वो अपनी नीतियों को इसके अनुरूप तैयार करने में सक्षम कर सकते हैं।

क्रेडिट वृद्धि और कार्यनिष्पादन

यथा मार्च 22 (विव 22-ति4) तक एमएसएमई खंड का ऋण एक्सपोजर ₹23.12 लाख करोड़ है, जो 6.3% की वर्ष दर वर्ष वृद्धि दर को दर्शाता है। यह ऋण वृद्धि एमएसएमई उधार के सभी उप-खंडों में देखी गई है।

वर्षानुवर्ष बकाया अधिशेषों में वृद्धि हुई है:

- सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम : 6% (8.5 to 9.0 Lakh Cr)
- निजी : 13% (8.3 to 9.4 Lakh Cr)
- एनबीएफसी : 7% (2.5 to 2.7 Lakh Cr)

एमएसएमई ऋण एक्सपोजर (लाख करोड़ ₹)

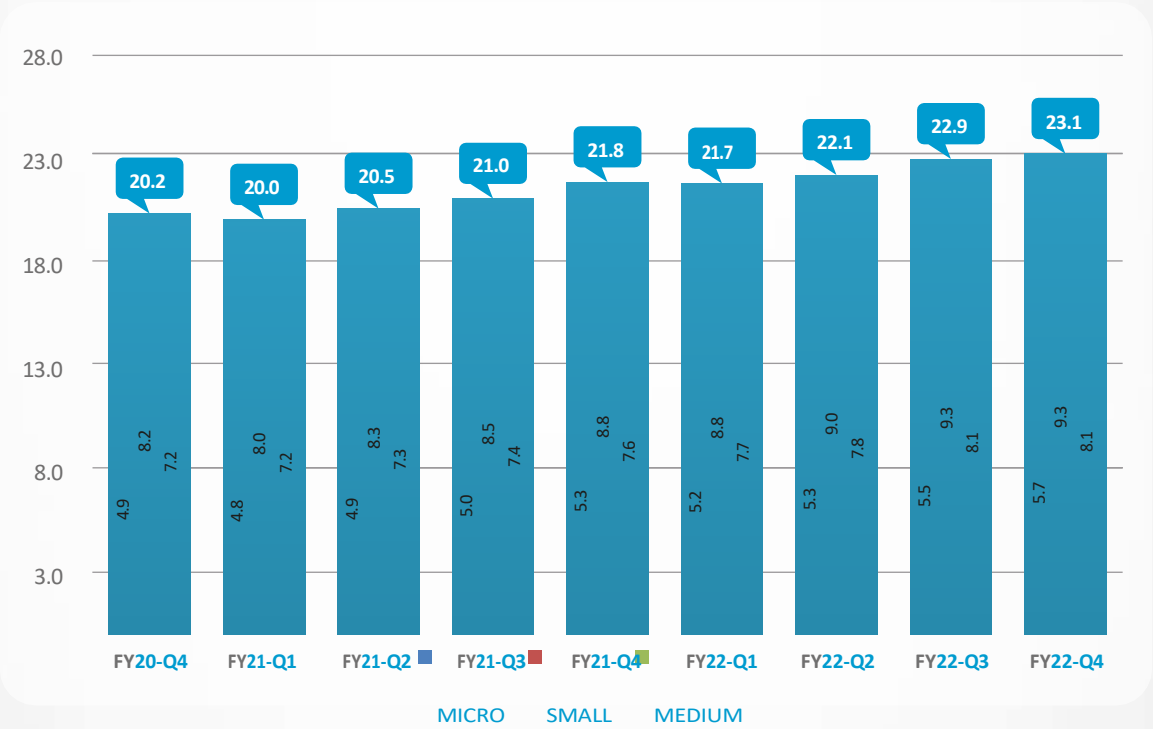

इकाई स्तर पर एकीकृत क्रेडिट एक्सपोजर के आधार पर वर्गीकृत वाणिज्यिक ऋण, अति लघु : <10लाख ; सूक्ष्म 1: 10 लाख -50 लाख; सूक्ष्म 2: 50 लाख -1करोड़ ; लघु : 1 करोड़ <10 करोड़; मध्यम1: 10 करोड़ <25 करोड़; मध्यम2: 25 करोड़ <50 करोड़; 50 करोड़ सूक्ष्म खंड में अति लघु , सूक्ष्म 1 और सूक्ष्म 2 के हिस्से और मध्यम खंड में मध्यम 1 और माध्यम 2 शामिल हैं।

वर्ष दर वर्ष मौजूदा एमएसएमई उधारकर्ताओं का वितरण

यथा मार्च 22 की स्थिति के अनुसार कुल मौजूदा एमएसएमई उधारकर्ता 6% की वार्षिक वृद्धि दर के साथ ~7 मिलियन हैं। समग्र एमएसएमई उधारकर्ताओं में वृद्धि दर कम है क्योंकि ऋणदाता मौजूदा उधारकर्ताओं को ऋण देने पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

यथा मार्च'22 तक मौजूदा एमएसएमई उधारकर्ता

■ सूक्ष्म ■ लघु ■ मध्यम

88% से अधिक एमएसएमई संस्थाएं सूक्ष्म खंड से संबंधित हैं जबकि लघु और मध्यम के पास क्रमशः 10% और 2% हिस्सेदारी है।
सूक्ष्म खंड में, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में सामूहिक रूप से मौजूदा संस्थाओं का 21% हिस्सा है जो लगभग 1.5 मिलियन है।

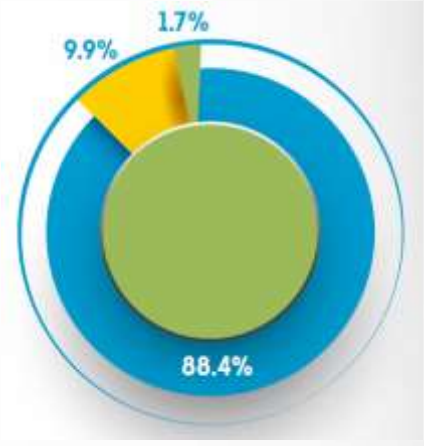

एमएसएमई खंड द्वारा गैर निष्पादक आस्ति दर

यथा मार्च 22 (वित्त 22-ति4) तक समग्र एमएसएमई खंड में गैर निष्पादक आस्ति 12.8% है। यथा मार्च 21 (वित्त 21-ति4) से एमएसएमई खंड में गैर निष्पादक आस्ति के बाद से एक अपट्रेंड रहा है। वित्त 21-ति3 तक, सूक्ष्म खंड , की तुलना में लघु खंड में गैर निष्पादक आस्ति दर कम थी। तथापि , इस प्रवृत्ति में उछाल आया है, जो यह दर्शाता है कि कोविड ने सूक्ष्म खंड को सबसे अधिक प्रभावित किया है।

एमएसएमई खंड द्वारा अनर्जक आस्ति दर

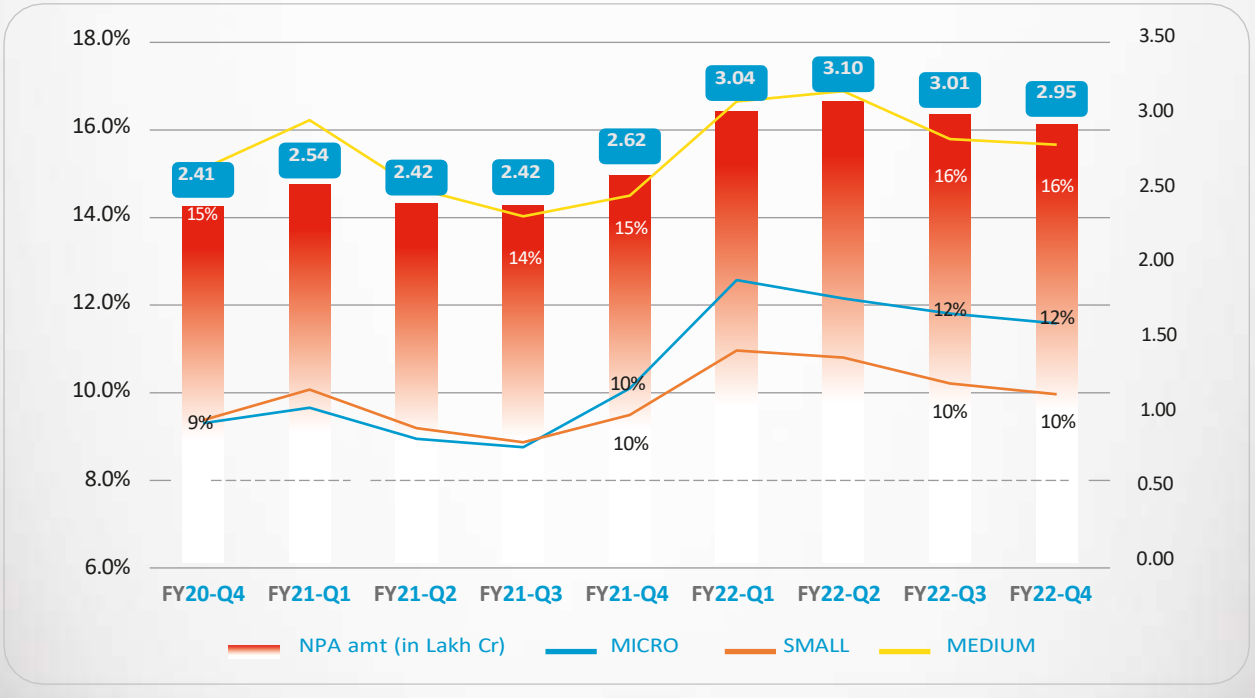

सभी ऋणदाता द्वारा अनर्जक आस्ति दर

वित्त 21- तिमाही 3 के बाद से निजी बैंकों में गैर निष्पादक आस्ति स्थिर रही है। वित्त 21- तिमाही 3 के बाद निजी क्षेत्र के उदयमी बैंकों और एनबीएफसी में गैर निष्पादक आस्ति में वृद्धि हुई है। एनबीएफसी में अनर्जक आस्ति पिछले 2 वर्षों से स्थिर दर से बढ़ रही है।

सभी ऋणदाताओं द्वारा अनर्जक आस्ति दरें

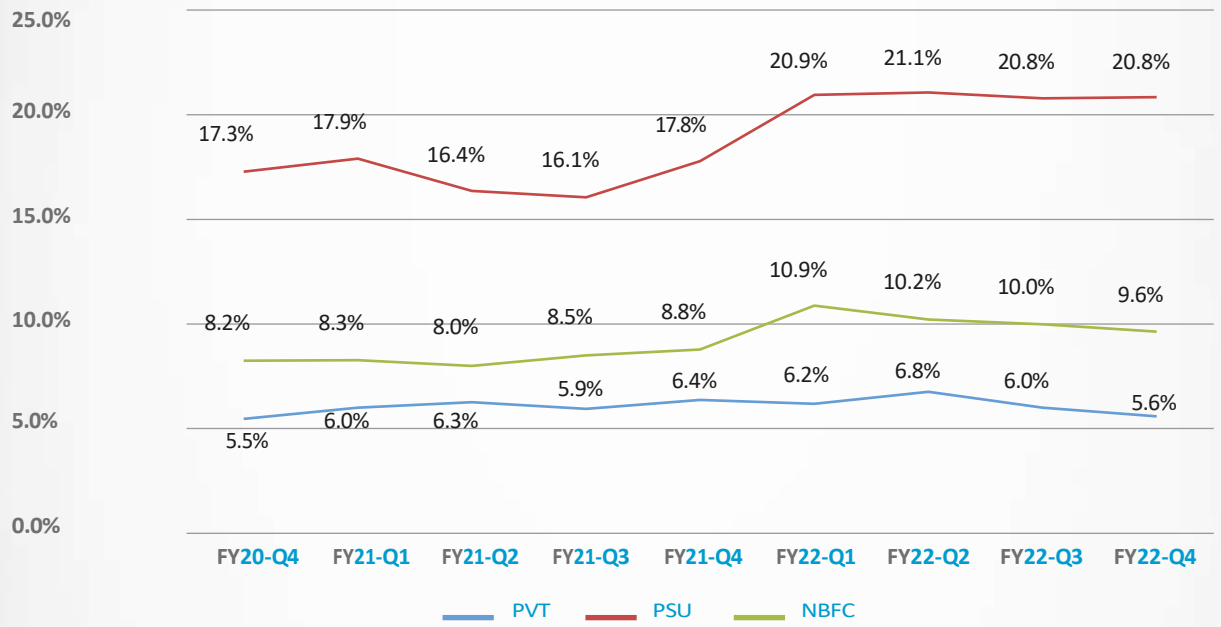

जोखिम संविभाग में अवस्थान्तरण

मार्च-21 से मार्च-22 तक की 1 वर्ष की अवधि के दौरान उधारकर्ताओं के सिबिल एमएसएमई रैंक अवस्थान्तरण की निगरानी की जाती है और कम जोखिम वाले रैंक बकेट: सीएमआर 1-3, मध्यम जोखिम: सीएमआर 4-6, उच्च जोखिम: सीएमआर 7-10 के लिए अवस्थान्तरण की निगरानी की जाती है।

यह देखा गया है कि मार्च 21 में सीएमआर 1-3 में रहने वाले कुल उधारकर्ताओं में से 36% मार्च 22 तक निचले रैंक बकेट में डाउनग्रेड हो गए और कुल उधारकर्ताओं का 9% जो मार्च'21 में सीएमआर 4-6 थे, मार्च'22 तक कम जोखिम वाले बकेट में अपग्रेड हो गए।

मार्च-21 से मार्च-22 तक सीएमआर का अवस्थान्तरण मैट्रिक्स

		CMR as of Mar-22			Downgrades	Upgrades	Same
		CMR 1-3	CMR 4-6	CMR 7-10			
CMR as of Mar-21	CMR 1-3	64%	26%	10%	36%		64%
	CMR 4-6	9%	57%	35%	35%	9%	57%
	CMR 7-10	1%	11%	87%		13%	87%

परिणामस्वरूप, मध्यम-जोखिम वाली संस्थाओं का अनुपात जो वित्त वर्ष 21-ति 4 के अनुसार कुल मौजूदा संस्थाओं का ~53% था, और यह वित्त वर्ष 22-ति4 में सिमट कर 40% रह गया है, अत: उसी समय सीमा में उच्च-जोखिम वाली संस्थाओं के अनुपात में 30% से 44% की वृद्धि हुई है।

सीएमआर द्वारा मौजूदा उधारकर्ताओं का वितरण

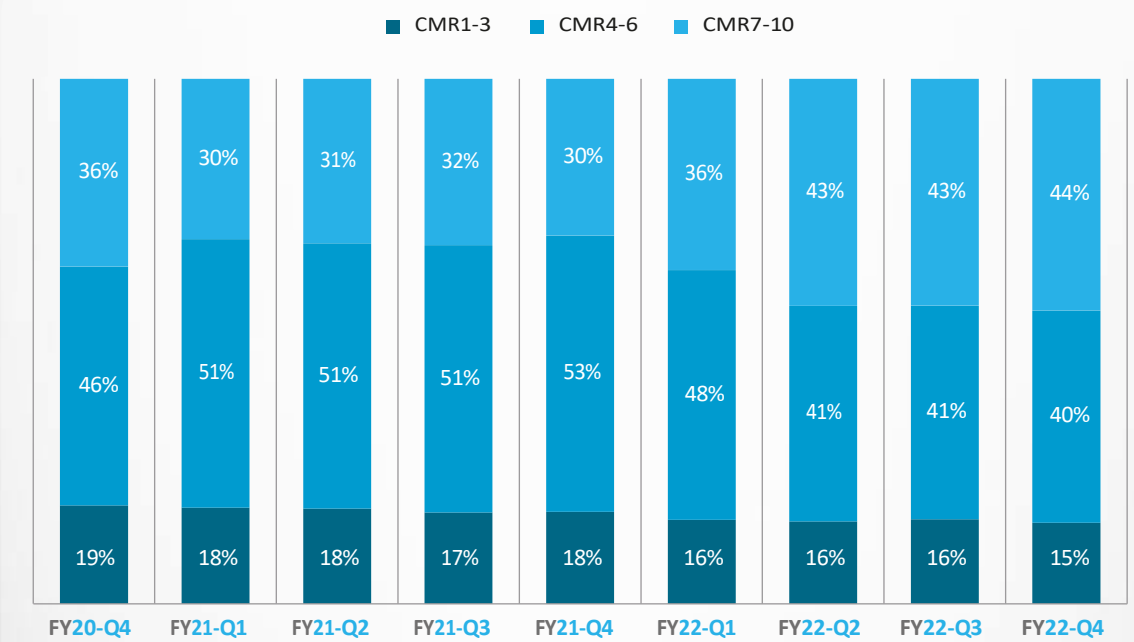

कोविड -19 के कारण पुनर्संरचित ऋणों का विश्लेषण

भारतीय रिजर्व बैंक के आदेश के हिस्से के रूप में* कोविड -19 के बाद, उधारदाताओं ने ब्यूरो रिपोर्टिंग में " कोविड -19 के कारण पुनर्संरचना" की सूचना दी। वाणिज्यिक ब्यूरो में रिपोर्ट किए गए पुनर्संरचित खातों की मुख्य जानकारी नीचे दी गई है।

समग्र रिपोर्टिंग परिप्रेक्ष्य की दृष्टि से, में यथा मार्च '22 तक वाणिज्यिक ब्यूरो में एमएसएमई (50 करोड़ से कम के कुल बकाया) के 2.7 लाख खातों को कोविड -19 के कारण पुनर्संरचित के रूप में टैग किया गया है। यह समान समयावधि में रिपोर्ट किए गए कुल मौजूदा खातों का लगभग 2.3% है। अधि शेष राशि के परिप्रेक्ष्य से यह INR 0.35 लाख करोड़ का गठन करता है जो कि यथा मार्च 22 तक एमएसएमई के बकाया का लगभग 1.5% है।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने अधिकतम पुनर्संरचित खातों की सूचना वाणिज्यिक ब्यूरो को दी जिसके बाद निजी बैंकों और एनबीएफसी का स्थान रहा। अन्य में एमएनसी बैंक और सहकारी बैंक सहित अन्य सभी उधारदाता शामिल हैं।

उधारदाता श्रेणी द्वारा समग्र पुनर्संरचना

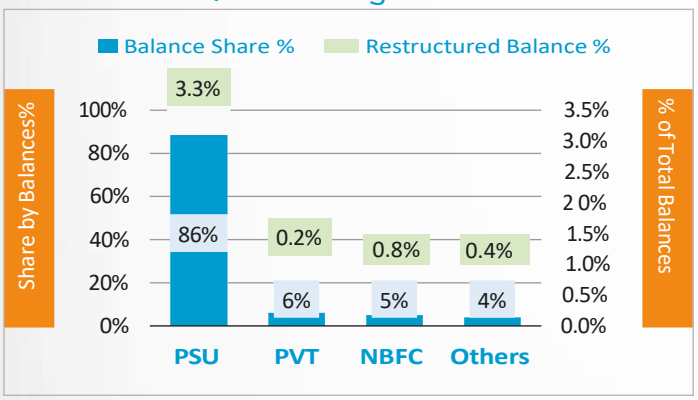

सावधि ऋणों को कार्यशील पूंजी ऋणों से अधिक पुनर्संरचित किया जाता है जो कि एमएसएमई द्वारा सीसी/ओडी ऋणों के माध्यम से विवेकपूर्ण तरीके से अपनी चलनिधि का प्रबंध करने के संदर्भ में सकारात्मक है। सूक्ष्म और लघु इकाइयां उच्च आकार की एमएसएमई संस्थाओं की तुलना में पुनर्संरचित खातों का 76 प्रतिशत हिस्सा हैं जो ब्यूरो में ऐसे ऋणों के उच्च अनुपात से भी प्रेरित हैं।

ऋण सुविधा द्वारा पुनर्संरचना

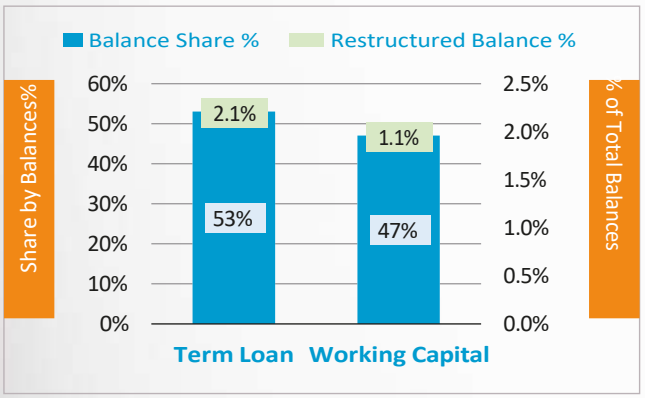

उधारकर्ता किस्म द्वारा पुनर्संरचना

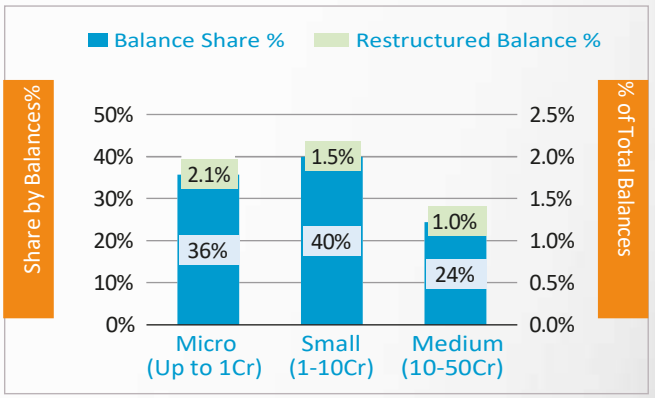

पुनर्संरचित अधिशेष राशि का उच्चतम हिस्सा विलंबित अपचार बकेट (61-90) में है। यह विलंबित अपचार बकेट पुनर्संरचना के प्रारम्भ के संदर्भ में उधारदाताओं द्वारा लिए गए विवेकपूर्ण पुनर्संरचना दृष्टिकोण को दर्शाता है, जहां गैर निष्पादक आस्ति में तत्काल खिसकने की अधिकतम संभावना रह ती है।

*Please refer to RBI circular DoR.FIN.REC.46/20.16.056/2020-21 dated March 12, 2021'

डीपीडी बकेट द्वारा पुनर्संरचना

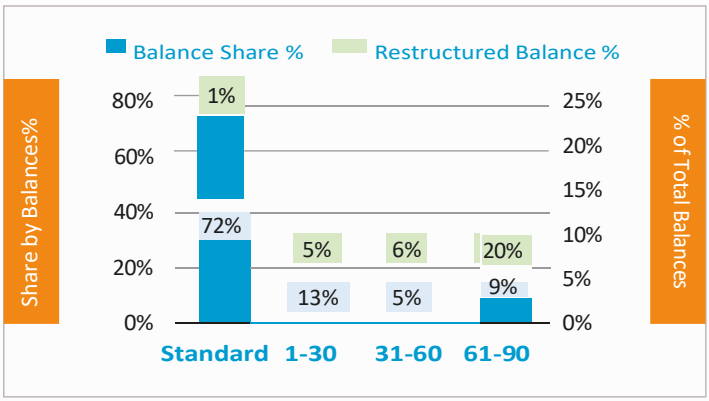

उच्च जोखिम वाली संस्थाएं (सीएमआर -7 से सीएमआर -10) 57% पुनर्संरचित का गठन करती हैं, इसके बाद मध्यम जोखिम (सीएमआर -4 से सीएमआर -6) वाली संस्थाएं उसके बाद निम्न-जोखिम वाली संस्थाएं (सीएमआर -1 से सीएमआर -3) आती हैं। स्पष्ट रैंक क्रम दर्शाता है कि सिबिल एमएसएमई रैंक (सीएमआर) दबावग्रस्त संविभाग की पहचान करने में सक्षम है और उधारदाताओं को संविभाग के दृष्टिगत सुधारात्मक कार्रवाई करने में सक्षम करता है।

Restructuring by Risk Tier

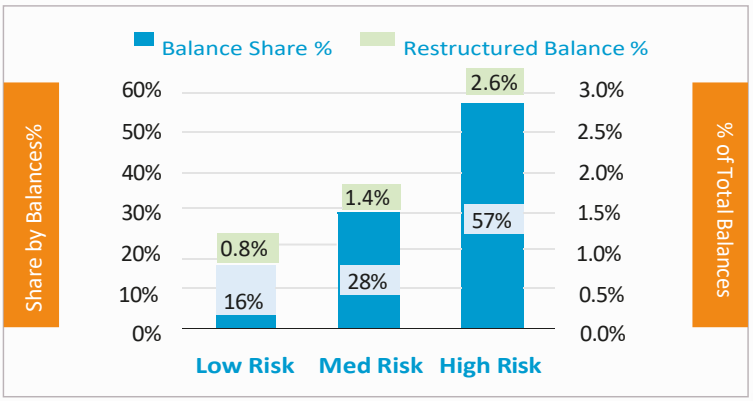

पुनर्संरचित ऋणों की चुकौती पद्धति की पहचान करने , सितंबर, 21 तक पुनर्संरचित के रूप में रिपोर्ट किए गए सावधि ऋणों को आधार के रूप में लिया गया था और मार्च 22 (6 महीने की अवलोकन खिड़की) के अनुसार इन ऋणों पर अधिशेष प्रवृत्ति देखी गई थी। ऋणों को सिबिल एमएसएमई रैंक के माध्यम से जोखिम बकेट के रूप में वर्गीकृत किया गया था। दो श्रेणियां बनाई गई थीं - ऋण जो अधिशेष राशि में कमी दिखाते हैं अर्थात, चुकौती की शुरुआत और ऋण जो समान या बढ़ते अधिशेष को दर्शाते हैं, या तो अभी भी अधिस्थगन व्यवस्था में या चुकौती में कमी। परिणाम फिर से सीएमआर द्वारा रैंक क्रम दिखाते हैं

चुकौतियों का महत्वपूर्ण प्रतिशत - कम (सीएमआर -1 से सीएमआर -3) और मध्यम जोखिम (सीएमआर -4 से सीएमआर -6) संस्थाओं में पाया गया जबकि उच्च जोखिम (सीएमआर -7 से सीएमआर -10) पुनर्संरचित खातों की बिगड़ती स्थिति को दर्शाता है.

पुनर्संरचित सावधि ऋणों के प्रति अधिशेषों से भुगतान (सित-21- मार्च22)

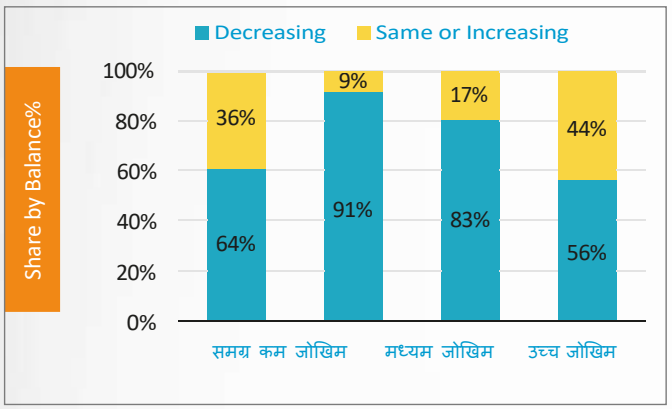

पुनर्संरचित ऋणों के अपचार अवस्थान्तरण की पहचान करने के लिए, सितंबर'21 तक पुनर्संरचित रिपोर्ट किए गए ऋणों को आधार के रूप में लिया गया था और मार्च'22 (6 महीने की अवलोकन खिड़की) के अनुसार इन ऋणों पर डीपीडी प्रवृति देखी गई थी । सितंबर'21 तक रिपोर्ट किए गए पुनर्संरचित ऋणों के शेष में से 7% को मार्च'22 तक 90+ के रूप में वर्गीकृत किया गया है। यद्यपि, समग्र संविभाग में थोड़ा सुधार हुआ है - सितंबर'21 तक मानक बही 70% पर थी जो मार्च'22 तक 71% पर रही।

	मानक Standard	1-30	31-60	61-90	90 +	समग्र Overall	सुधार Improvement	गिरावट Deterioration
मानक Standard	56%	5%	4%	2%	2%	70%		13%
1-30	7%	2%	2%	1%	2%	14%	7%	4%
31-60	3%	1%	1%	1%	1%	6%	4%	1%
61-90	4%	1%	2%	1%	1%	10%	7%	1%
समग्र Overall	71%	9%	9%	5%	7%		18%	21%

90+ तक रोल फ़ॉरवर्ड 61-90 बकेट से उच्चतम है और मानक को रोल बैक प्रारंभिक अपचार (1-30) बकेट से उच्चतम है।

आस्ति वर्गीकरण अवस्थानतरण (सित 21 - मार्च 21)

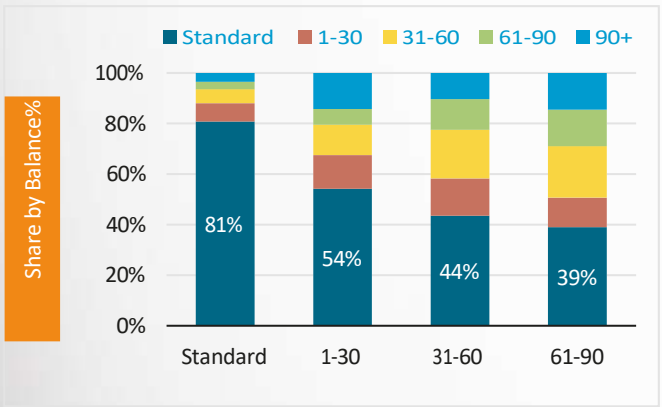

कोविड -19 के कारण पुनर्संरचित ऋणों को उधारदाता ओं के कड़ी संविभाग निगरानी की आवश्यकता होती है ताकि यह देखा जा सके कि संस्थाएँ उधारदाता तथा उनसे इतर अन्य उधारदाताओं के प्रति चुकौती में कैसा प्रदर्शन कर रही हैं। संविभाग की निगरानी सिबिल एमएसएमई रैंक के माध्यम से संविभाग का अवस्थान्तरण उधारदाताओं को आगे के दबाव की पहचान करने और सुधारात्मक कार्रवाई करने में सक्षम करेगा।

अस्वीकरण

ऊपर उल्लिखित सभी क्रेडिट के आंकड़े ट्रांसयूनियन सिबिल वाणिज्यिक क्रेडिट आंकड़ा आधार से लिए गए हैं। आंकड़े समय-समय पर सदस्यों से प्राप्त प्रस्तुतियों पर आधारित है। कुछ अपवादात्मक मामलों में उपर्युक्त संख्याओं में कुछ पुनरीक्षण हो सकता है क्योंकि ट्रांसयूनियन सिबिल को अतिरिक्त आंकड़े की सूचना सदस्य ऋणदात्री संस्थाओं द्वारा दिए जाते हैं ।

TransUnion CIBIL

ट्रांसयूनियन सिबिल लिमिटेड
क्रेडिट इंफॉर्मेशन ब्यूरो (इंडिया) लिमिटेड
वन वर्ल्ड सेंटर, टावर 2ए-2बी, 19वीं मंजिल,
सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुंबई - 400 013

© 2022 TransUnion CIBIL Limited All Rights Reserved